घीसा

अति लघु उत्तर लिखिए -

(क) घीसा एक बालक था , जिससे लेखिका को सबसे अधिक लगाव था।

(ख) लड़के घीसा से खिंचे-खिंचे से इसलिए रहते थे क्योंकि उनके परिवार के सदस्यों ने घीसा से दूर रहने की हिदायत दी थी।

लघु उत्तर लिखिए-

(क) घीसा का नाम बचपन में पेट के बल घसीट -घसीटकर चलकर संसार के प्रथम अनुभव को प्राप्त करने के कारण पड़ा।

(ख) घीसा शनिवार को पीपल की चाय को लीप देता था और इतवार को उस स्थान को झाड़ -पोंछकर गंगा के तट पर गुरु साहब का इंतजार करता था।

(ग) घीसा का अपने गुरु के प्रति आदर और उनके द्वारा सफ़ाई का महत्व बताने पर घीसा का नहा - धोकर गीला कुरता पहनकर आना ही उसके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता है। वह गुरु की बात को सर्वोपरि रखता था।

दीर्घ उत्तर लिखिए -

क) घीसा एक कोरी का पुत्र था। उसके पिता दूसरे गाँव की युवती को वधु बनाकर ले आए थे तथा कोरी समाज को निराश करने के कारण सभी उनकी उपेक्षा करते थे। कुछ समय बाद पिता की मृत्यु के उपरान्त घीसा का जन्म हुआ। यह कथा सुनकर लेखिका उसकी और आकर्षित हुई।

ख) घीसा द्वारा अपने कुर्ते को बेचकर तरबूज खरीदने और गुरु - दक्षिणा के रूप में तरबूज को ज़िद करके देने और न लेने पर रात भर रोने तथा लेने पर रोज़ नहा - धोकर पेड़ के नीचे पाठ को दोहराने की बात सुनकर लेखिका भावातिरेक से विहवल हो उठीं ।

ग) जब घीसा अपने कुरते के बदले तरबूज लेकर उसे गुरु - दक्षिणा के रूप में लेखिका की भेंट करता है तो लेखिका कहती हैं कि ऐसी गुरु - दक्षिणा शायद ही किसी शिष्य ने अपने गुरु को दी होगी । इस घटना से घीसा की अपनी गुरु साहब के प्रति अपार श्रद्धा प्रकट होती है ।